हथकरघा विकास केन्द्रों की स्थापना

1019. श्री रामजेठमलानी : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने हाल ही में एक योजना को लागू करने की घोषणा की है जिसके तहत पूरे देश में करीबन 3000 हथकरघा विकास केन्द्रों को खोलने की योजना है :

(ख) इन सभी केन्द्रों को कब तक स्थापित किया जाएगा ।

(ग) इन हथकरघा विकास केन्द्रों से हथकरघा बुनकरों को होने वाले फायदे क्या हैं : और

(घ) इन केन्द्रों को खोलने के वार्षिक लक्ष्य क्या है तथा प्रत्येक केन्द्र की स्थापना में कितनी रकम के खर्च होने की संभावना है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) और (ख) सरकार ने आठवीं योजना के दौरान कार्यान्वयन हेतु बुनकर बाहुल्य क्षेत्रों में हथकरघा विकास केन्द्रों की स्थापना के लिए एक अंतरिम प्रस्ताव तैयार किया है ।

(ग) इस प्रस्तावित योजना में कच्चे माल की आपूर्ति, विपणन के लिए सहायता, मार्जिन मनी, प्रशिक्षण निवेश और गुणवत्ता रंगाई सुविधा पर बल दिया गया है ।

(घ) यह प्रस्ताव अभी अंतरिम स्थिति में है।

Vigilance Committee to Prevent Corruption in NTC

1020. SHRI SATISH PRADHAN : Will the Minister of TEXTILES be pleased to state :

(a) whether Government have received several complaints from the trade unions regarding rampant corruption in NTC mills;

(b) whether Government has mads any enquiries in the alleged charges. If so, what.. are the findings thereof; and

(c) whether Government propose to set up vigilance committee of professionals *to* prevent the icorrptiion specificaly in high level of management ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY) : (a) Yes, Sir.

(b) Complaints, as and when received, are examined at the appropriate ievel viz. Government, Holding Company, Subsidiary etc. Surprise checking and inspections, including Audit Inspection etc., are conducted and necessary punitive action is take on case to case basis after due investigation l enquiry.

(c) No, Sir.

मूल्य वर्धित वस्त्र उत्पादों का निर्यात

1021. डा. जितेन्द्र कुमार जैन : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश से कपास के बजाय सूत, सूत के बजाय कपड़ा तथा कपड़ा के बजाए सिले-सिलाए वस्त्रों का निर्यात करके ज्यादा विदेशी मुद्रा अर्जित की जा सकती है ;

(ख) यदि हां, तो कपास के बजाय सूत, सूत के बजाय कपड़ा तथा कपड़ा के बजाए सिले सिलाए वस्त्रों का निर्यात किया जाए तो लाभ में कितने प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है ;

(ग) क्या यह सच है कि 31 मार्च, 1992 को देश में कुल 829 कताई मिलें थीं ;

(घ) यदि हां, तो उनकी सूत उत्पन्न करने की कुल क्षमता कितनी है और क्या इन मिलों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का अधिकतम उपयोग किया जा रहा है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो इनकी क्षमता के उपयोग की औसत दर क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) यह सच है कि कच्ची कपास

के बजाए यार्न, फैब्रिक्स, परिधान आदि जैसे मध्यवर्ती और अन्तिम उत्पादों के निर्यात के जरिए और अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित करने की संभावना है। मूल्यवर्धन की प्रतिशतता मद की किस्म और निर्यातित मद पर की गई विभिन्न कार्यशैलियों पर निर्भर करेगी ।

(ग) से (ङ.) : 31 मार्च, 1992 के अनुसार देश में सूती और मानव-निर्मित फाइबर कताई मिलों की संख्या 846 है । कताई मिलों की कुल स्थापित क्षमता 16.68 मिलियन तकुए और 82046 रोटर थी । वर्ष 1991-92 के दौरान कताई मिलों की क्षमता उपयोगिता की औसत दर 84 प्रतिशत थी ।

Letter received from NTC Employees' Union Calcutta

1022. SHRI AJIT P. K. JOGI :

SHRI MOOLCHAND MEENA:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether a letter dated 24th Feb., *1992* has been received from National Textile Corporation Employees' Union Calcutta regarding the crisis facing National Textile Corporation Limited;

(b) if so, what are the reasons tor the crisis; and

(c) what steps have been taKen to de fuse the crisis V

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The mills of NTC, including the mills under NTC (WBABO) Ltd. have been incurring heavy losses, due to inter-alia, obsolete machinery, low productivity, high man machine ratio, sur-plus labour force, high raw-material cost, low capacity utilisation etc. Government have been reimbursing cash losses of NTC at a great burden upon the exchequer. The shortfall in reimbursement of the cash losses has resulted in decline in working capital which have led to reduceu availability of raw-material. Government have, therefore, in addition to normal budgetary support, released Rs. 100 crores to NTC during 1992-93 to meet this re-quirement of liquidity during the period of transition of implementation of the Turn Around Strategy.

Production, Consumption, Export and Import of Cotton and Silk

1023. SHRI DIGVIJAY SINGH :

SHRI SATYA PRAKASH MAL-VIYA : Will the Minister of TEXTILES be pleased to state :

(a) what has been the production and consumption of cotton and silk in the country during 1991-92 and 1992-93 stat ing their targets in this period;

(b) what is the quantum of cotton, silk imported and exported during the above period stating their rates of export and import;

(c) whether it would not be more profitable to export readymade garments by establishing cotton and silk based cottage industries to provide more employment opportunities; and

(d) if so, what are the reasons for giving preference to the export of raw cotton and silk V

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G.